प्यूमा घोषणा-पत्र

पूरी दुनिया में पैकेजिंग को एक पर्यावरणीय मुद्दे के रूप में समाप्त करने के लिए मिलकर काम करना

UPDATED EDITION

प्यूमा घोषणा-पत्र

प्यूमा क्या है?

प्यूमा पैकेजिंग व्यवसाहिक समुदाय का सामूहिक प्रयास है ताकि पूरी दुनिया में पैकेजिंग को एक पर्यावरणीय मुद्दे के रूप में समाप्त किया जा सके।

पैकेजिंग क्या है?

पैकेजिंग एक बाहरी कार्य और उत्पाद को अस्थायी रूप से एकीकृत करने की क्रिया है, जिससे उत्पाद का उपयोग संभव हो सके।

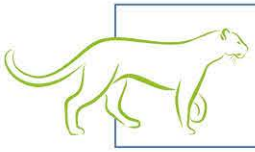

कचरा मूल रूप से एक (निर्माण) प्रक्रिया का अवांछित उप-उत्पाद होता है

एनवीसी क्या है?

एनवीसी पैकेजिंग सेंटर की स्थापना 1953 में पैकेजिंग गतिविधि में ज्ञान, विशेषज्ञता और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी। एनवीसी अब एक व्यावसायिक परिवार है जिसमें दुनिया भर के पांच सौ से अधिक सदस्य कंपनियाँ शामिल हैं, जिनमें पैकिंग-फिलिंग (एफएमसीजी) उद्योग, पैकेजिंग निर्माता, खुदरा विक्रेता, पैकेजिंग मशीनों के निर्माता, थोक व्यापारी, सामग्री उत्पादक और पुनर्चक्रण करने वाले, पैकेजिंग डिज़ाइन एजेंसियाँ और परीक्षण संस्थान शामिल हैं। एनवीसी सदस्यता, नवाचार परियोजनाएँ (जैसे प्यूमा), सूचना सेवाएँ और शिक्षा कार्यक्रम, पूरी दुनिया में पैकेजिंग गतिविधि को निरंतर सुधारने के व्यवसाय को प्रोत्साहित करते हैं।

पैकेजिंग कब एक पर्यावरणीय मुद्दा बनती है?

पर्यावरणीय मुद्दे जैवभौतिक पर्यावरण पर मानव गतिविधियों के हानिकारक प्रभाव होते हैं। कचरा मूल रूप से एक (उत्पादन) प्रक्रिया का अवांछित उप-उत्पाद होता है। पैकेजिंग की मानव गतिविधि में शामिल संसाधन, चाहे वे वांछित हों या अवांछित ('कचरा'), जब एक पर्यावरणीय मुद्दे को उत्पन्न करते हैं, तब पैकेजिंग एक पर्यावरणीय मुद्दा बन जाती है।

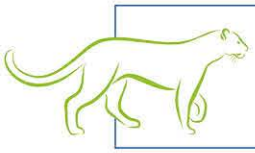

पर्यावरणीय (ग्रह संबंधी) समस्याएँ जो लोग उत्पन्न करते हैं, वही हम लोग हल भी कर सकते हैं और करेंगे

हमें अब कार्रवाई क्यों करनी चाहिए?

पैकेजिंग की गतिविधि प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में मानव जाति के साथ रही है, लेकिन 20वीं सदी ने इसमें नाटकीय तेजी ला दी है। अब दुनिया हर सेकंड कम से कम 320,000 बार पैकेजिंग करती है, और इससे अधिक मात्रा में पर्यावरणीय चिंताएँ उत्पन्न हो रही हैं। पैकेजिंग को केवल तभी सामाजिक संचालन की अनुमति मिल सकती है यदि इन चिंताओं का सही ढंग से समाधान किया जाए।

घोषणा-पत्र के बारे में

यह घोषणा-पत्र पैकेजिंग को एक पर्यावरणीय मुद्दे के रूप में समाप्त करने का मार्ग प्रस्तुत करता है। इसमें पैकेजिंग गतिविधि के अनिवार्य तत्वों और इसमें शामिल संसाधनों के संबंध को वर्णित करने के लिए प्यूमा मॉडल शामिल है। एक वैचारिक रोडमैप प्रस्तुत किया गया है जिसे प्रत्येक व्यक्ति और संपूर्ण विश्व पैकेजिंग समुदाय द्वारा आत्म-संगठित तरीके से लागू किया जा सकता है। प्रमुख तत्व हैं विश्वसनीय जानकारी का खुला और स्वतंत्र आदान-प्रदान, निरंतर ज्ञान विकास और वास्तव में समग्र नवाचार। पर्यावरणीय (वैश्विक) समस्याएँ जो हम, लोग, उत्पन्न करते हैं, वही हम, लोग, हल भी कर सकते हैं और करेंगे।

पैकेजिंग को केवल तभी सामाजिक संचालन की अनुमति मिल सकती है यदि पर्यावरणीय चिंताओं को सही ढंग से संबोधित किया जाए

प्यूमा मॉडल

शब्दावली

सबसे पहले, प्यूमा पैकेजिंग की गतिविधि को परिभाषित करता है: उत्पाद के उपयोग को सक्षम बनाने के लिए एक बाहरी कार्य और एक उत्पाद को अस्थायी रूप से एकीकृत करना। ऐसा करने (पैकेजिंग) का कोई कानून नहीं है। उदाहरण के लिए, रिकॉर्डेड संगीत में, स्पॉटिफाई जैसी स्ट्रीमिंग सेवाएँ दिखाती हैं कि हम इसके बिना भी रह सकते हैं। यदि हम पैकेजिंग की गतिविधि में शामिल होने का निर्णय लेते हैं, तो पैक-यूज-एम्प्टी (सभी क्रियाएँ) स्पाइरल P-U-E एक परिणाम है। इससे बाद में समय और एक अलग स्थान पर खाली पैक मिलते हैं। कचरे को एक (मानव) गतिविधि के अवांछित प्रभाव के रूप में परिभाषित किया गया है। परिणामस्वरूप, एक संग्रह-नियंत्रण चरण बनाया जाना चाहिए, इसके बाद एक परिकल्पित बैक-एंड (बीई) प्रक्रिया चरण होना चाहिए। दर्पण की तरह, आवश्यक पैकेजिंग सामग्री प्राप्त करने के लिए एक फ्रंट-एंड (एफई) चरण की आवश्यकता होती है। दार्शनिक और ऊष्मप्रवैगिकी और सूचना विज्ञान की दृष्टि से, बैकएंड की स्थिति मौलिक रूप से फ्रंटएंड से भिन्न होती है। दोनों को परिवर्तित करने के संदर्भ में वर्णित किया जा सकता है।

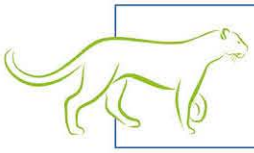

समग्र नवाचार की आवश्यकता है क्योंकि हम सभी पैकेजिंग में परस्पर जुड़े हुए हैं

पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान

पर्यावरणीय मुद्दे आ सकते हैं और जा सकते हैं, हमारे मानव गतिविधि और पृथ्वी ग्रह के बीच विभिन्न अंतःक्रियाओं के आधार पर। जहां प्यूमा मॉडल अपरिवर्तित रहता है, वहीं समय के साथ पर्यावरणीय मुद्दों पर इसका उपयोग भिन्न हो सकता है। प्यूमा घोषणा-पत्र के पहले संस्करण (साल 2020 में प्रकाशित और अब ग्यारह भाषाओं में उपलब्ध) में हम CO2, कचरा और अपर्याप्त पैक अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उत्तरार्द्ध वास्तव में उत्पाद (खाद्य) अपशिष्ट की रोकथाम को भी संबोधित करता है। इन तीन मुद्दों को वर्तमान पर्यावरणीय पैकेजिंग बहस में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके अलावा, परिणामी तालिका भविष्य के पर्यावरणीय मुद्दों का पर्याप्त रूप से समाधान करने के लिए आधार के रूप में कार्य कर सकती है।

FE	P-U-E	C-C	BE
फ्रंटएंड	पैक-उपयोग-खाली	संग्रह-नियंत्रण	बैकएंड
			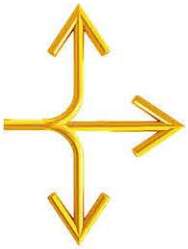

	FE	P-U-E	C-C	BE
Litter			✓	
CO_2	✓			✓
Inadequate pack optimisation Product Packaging material + Total environmental impact		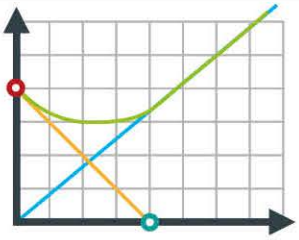		
Future issues	✓	✓	✓	✓

घोषणा-पत्र का समर्थन

सफलता गहरे समझ से और पहले की अंतर्दृष्टियों के पूरक से आती है

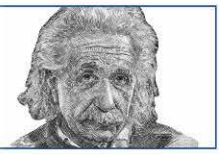

मैं प्यूमा घोषणा-पत्र का समर्थन करता/करती हूँ और इस प्रकार प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि :

- पैकेजिंग गतिविधि को संबोधित करने के लिए प्यूमा मॉडल को एक सूचनात्मक स्रोत के रूप में संदर्भित करूंगा।
- जहाँ संभव हो, प्यूमा मॉडल में उपयोग की जाने वाली शब्दावली का उपयोग करूंगा और संभावित सुधारों में सकारात्मक योगदान दूंगा।
- अपनी क्षमताओं के अनुसार प्यूमा की वार्षिक आम बैठक में योगदान करूंगा।
- अपने निर्णय और राय आधुनिकतम पैकेजिंग (यानी विश्वसनीय, सत्यापन योग्य और अद्यतित जानकारी) पर आधारित बनाऊंगा और मेरे ध्यान में लाई गई सभी जानकारी और ज्ञान का उपयोग करूंगा।
- पैकेजिंग गतिविधि में जिम्मेदारी रखने वालों की निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करूंगा।
- प्यूमा के सभी चरणों (FE, P-U-E, C-C, BE) की सुविधा में मदद करने में योगदान दूंगा।

सब कुछ प्रवाहित होता है और पैकेजिंग की गतिविधि भी; हम घड़ी को पीछे कर सकते हैं, लेकिन समय को नहीं

दुनिया भर में हाल के संदर्भों और पृष्ठभूमि की जानकारी का अवलोकन प्राप्त करने के लिए कृपया www.nvc.nl/puma पर जाएँ।

NVC PACKAGING CENTRE

Sharing the future in packaging

+31-(0)182-512411 info@nvc.nl www.nvc.nl

EAN/ISBN 978-90-74862-25-7
Publication date: 11 May 2026